Business Standard (Hindi)
Logistic companies ko bikari ki darkaar
Edition: Delhi Date: 20/01/2014 Page no: 8 Clip size: H: 15 cm / W: 24 cm
India Media Monitor

निवेश पर दांव

लॉजिस्टिक कंपनियों को बिक्री में तेजी की दरकार

राम प्रसाद साहू

प्रमुख लॉजिस्टिक कंपनियों के शेयर आय में संशोधन और भविष्य में रिकवरी की उम्मीद के साथ मजबूत हुए हैं। जहां गेटवे डिस्ट्रीपार्क्स और ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (टीसीआई) जैसे शेयरों ने अपने 52 सप्ताह के ऊंचे स्तर को छुआ है, वहीं कॉनकॉर में भी पिछले सप्ताह कुछ तेजी देखी गई। लॉजिस्टिक क्षेत्र में शेयरों में दिलचस्पी उन खबरों के बाद भी बढ़ी है जिनमें कहा गया कि हाई प्रोफाइल निवेशकों (घरेलू और विदेशी) ने गति और टीसीआई जैसी छोटी लॉजिस्टिक कंपनियों एवं कई गैर-सूचीबद्ध कंपनियों में खरीदारी की है।

शेयरखान के विश्लेषकों ने एक ताजा रिपोर्ट में कहा है कि निर्यात में ताजा तेजी और जीडीपी वृद्धि में तेजी को लेकर बढ़ रही उम्मीद ने निवेशकों की दिलचस्पी फिर से लॉजिस्टिक शेयरों में लौटा दी है। मजबूत बुनियादी ढांचे वाली कंपनियों को किसी तरह की राहत से उपयोगिता स्तर बढ़ाने एवं वित्तीय स्थिति मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। केआर चोकसी के प्रबंध निदेशक देवेन चोकसी कहते हैं, 'बड़ी तादाद में लॉजिस्टिक कंपनियों के लिए पूंजीगत खर्च चक्र पूरा हो चुका है और यह समय लाभ कमाने का है। कम मूल्यांकन, मजबूत परिदृश्य और अर्थव्यवस्था में सुधार की उम्मीद आदि की वजहों से निवेशकों ने इन कंपनियों में दिलचस्पी दिखाई है।' विश्लेषकों का कहना है कि इन शेयरों में तेजी को पिछले साल अक्टूबर के शुरू में आई मिड-कैप में तेजी से भी मदद मिली है।

एक घरेलू ब्रोकरेज फर्म के विश्लेषक ने कहा, 'शेयर कीमतों में गिरावट को देखते हुए शुरू में निवेशक आय में रिकवरी के बाद रेटिंग में बदलाव का लाभ उठाना चाहते हैं। वित्त वर्ष 2006-07 की स्थिति फिर से आ सकती है जब लॉजिस्टिक शेयर इस सेक्टर को पी/ई रेटिंग की वजह से सुर्खियों में थे।'

हालांकि अन्य आंकड़ों से पता चलता है कि जमीनी आधार पर इस सेक्टर की संभावना में थोड़ा सुधार आया, लेकिन इसका असर कंपनियों के वित्तीय परिणाम पर अब तक नहीं दिखा है। 8 महीने की गिरावट के बाद कंटेनर बिक्री दिसंबर 2013 में सालाना आधार पर 4.5 फीसदी बढ़ी, जो एक सकारात्मक संकेत है। मजबूत कोयला, लौह अयस्क और उर्वरक बिक्री की वजह से कारगो वृद्धि भी दिसंबर महीने के लिए सालाना आधार पर 5.7 फीसदी बढ़ी।

कंटेनर कॉरपोरेशन

भारत की सबसे बड़ी लॉजिस्टिक कंपनी के शेयर में भविष्य में संशोधन और बिक्री एवं मार्जिन वृद्धि की उम्मीद में तेजी दिखी है। दिसंबर तिमाही के लिए कंपनी को 18 फीसदी की राजस्व वृद्धि का अनुमान है। हालांकि निर्यात-आयात बिक्री में मामूली सुधार, घरेलू बिक्री में चार तिमाहियों की सुस्ती के बाद अब तेजी की उम्मीद है। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के विश्लेषक लोकेश गर्ग ने हाल में विकास के विभिन्न कारकों को ध्यान में रखते हुए इस शेयर की रेटिंग में बदलाव किया है जिनमें बाजार भागीदारी में रिकवरी, निर्यात में तेजी, निर्यात-आयात बिक्री के अंतर में कमी, मार्जिन में सुधार और घरेलू तौर पर रिकवरी प्रमुख रूप से शामिल हैं। हालांकि कंपनी ने वित्त वर्ष 2008-13 के बीच अपनी बिक्री में सालाना आधार पर 2 फीसदी का इजाफा दर्ज किया है और बाजार हिस्सेदारी में नुकसान दर्ज किया है, लेकिन भविष्य में उसकी स्थिति मजबूत होने की संभावना है। निवेशक गिरावट पर इस शेयर को खरीद सकते हैं।

गेटवे डिस्ट्रीपार्क्स

कंपनी के लिए मुख्य बदलाव उसकी सहायक इकाइयों द्वारा पूंजी जुटाने से जुड़ा होगा। बाजार अगली तिमाही के दौरान उसकी कोल्ड चेन सब्सिडियरी के लिए आईपीओ पर नजर रखेगा, वहीं दीर्घावधि के दौरान उसकी अन्य प्रमुख सहायक इकाई को भी सूचीबद्ध कराया जा सकता है। विश्लेषकों का कहना है कि दो सहायक इकाइयों के लिए मूल्यांकन को देखते हुए उन्हें लगभग 1000 करोड़ रुपये हासिल होने का अनुमान है जो इसके मौजूदा बाजार पूंजीकरण का 65 फीसदी है। अच्छी कमाई वाले सेगमेंट कंटेनर फ्रेट स्टेशन बिजनेस का कंपनी के राजस्व में लगभग 31 फीसदी का योगदान है। बिक्री में रिकवरी से कंपनी को बढ़त मिलेगी, क्योंकि उसकी परिसंपत्तियां पहले से ही परिचालन में हैं। परिदृश्य और पूंजी जुटाने की योजनाओं की वजह से यह शेयर अक्टूबर के शुरू से 35 फीसदी मजबूत हो चुका है। इस शेयर ने वित्त वर्ष 2013 में 5 फीसदी का आकर्षक लाभांश दिया। ब्लूमबर्ग के सर्वे में शामिल 20 में से 17 विश्लेषकों ने इस शेयर को 'खरीदारी' जबकि शेष ने 'बनाए रखें' की रेटिंग दी है।